सादर प्रकाशनार्थ,
विश्व यादगार दिवस–

सड़क दुर्गटना पीड़ितों की स्मृति में कार्यक्रम आयोजित

कोरबा:21.11.2016–प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के विश्व सद्भावना भवन टी.पी. नगर कोरबा में विश्व यादगार दिवस–सड़क दुर्गटना पीड़ितों की स्मृति में एक कार्यक्रम सड़क दुर्गटना में जीवन गवाने वालों के लिये आत्मिक शांति तथा शोक संतप्त परिवारों को मानसिक संबल देने आयोजित किया गया। इस अवसर पर भ्राता एम.बी.पटेल यातायात प्रभारी कोरबा ने कहा चौराहे पर लगे सिंग्नल को ध्यान में रखते हुए ही वाहन को आगे बढ़ाना चाहिये। इसके साथ ही आपकी शिक्षा का पर्याप्त होना भी आवश्यक है जिससे आप यातायात संकेतों को समझ सकें। आपने कहा कि ग्रामीण अंचल से जो लोग आते हैं, उन्हें सड़क सुरक्षा नियमों की सही जानकारी न होने के कारण यातायात अव्यवस्था के कारण बनते हैं। आपने युवाओं को भी यातायात नियमों को पालन करने के लिये हिदायत दी। भ्राता डॉ. के.सी.देबनाथ ने कहा कि सड़क दुर्घटना में मौत अधिकतर सिर की चोट तथा अधिक खून के बहाव के कारण होती है। बहुत से लोग चोट आने के कारण अधिक समय तक बिस्तर पर रहते हैं व विकलांग हो जाते हैं। भारत में होने वाली सड़क दुर्घटना की संख्या अधिक है, इसके लिये सड़क सुरक्षा के नियमों की जन जाग्रति लाने की आवश्यकता है। ब्रह्माकुमारी रूकमणी बहन ने कहा कि घर से निकलते समय दो मिनिट मेडिटेशन करके निकले तो मन शांत और संयम में रहेगा। बाहर यात्रा पर निकलने के पहले अपने ईष्ट का स्मरण करके ही निकले तो अच्छा होगा। जिससे मन को शक्ति मिल जायेगी, क्योंकि यह जीवन ईश्वर का दिया हुआ एक उपहार है। भ्राता ब्रह्माकुमार राजेश भाई आबूपर्वत ने कहा कि मैं भी एक बहुत बड़ी संस्थान ब्रह्माकुमारी के मुख्यालय में यातायात प्रभाग का प्रशासन देखता हूं, वहॉ लगातार हजारों लोगों का आना जाना होता है। जिसमें दौ सौ ड्राईवर क्लीनर का स्टाफ है हम उनको बीच बीच में ट्रनिंग देते रहते हैं तथा यातायात नियमों की जानकारी देते हैं। हम सभी यह ध्यान रखते हैं कि कोई भी त्रुटिपूर्ण वाहन सड़क पर न चलायें तथा स्टाफ का भी पूरा हालचाल और उनकी व्यवस्था का ख्याल रखते हैं। नशे की हालत में कभी भी वाहन को नहीं चलाना चाहिए। सड़क दुर्घटना की सूचना मिलते ही हम लोग उनकी सहायता के लिये तत्पर रहते हैं हमारा अपना एक ग्लोबल चिकित्सालय भी है। इसके साथ ही मेडिटेशन रूम बने हुए हैं वहॉ जाकर समय प्रति समय हम प्रार्थना भी करते हैं। आपने कहा कि प्रशासन और सामाजिक संगठनों को मिलकर

जन जाग्रति का कार्य करना चाहिए। ब्रह्माकुमारी बिन्दु बहन राजयोग प्रशिक्षिका कोरबा प्रक्षेत्र ने कहा कि वैसे तो आत्मा अजर अमर अविनाशी है जो कि शरीर रूपी कपड़े धारण करती है। लेकिन अचानक इसका दुर्घटना ग्रस्त होना बड़ा ही दर्दनाक होता है। आज हम सब यहॉ एकत्रित हुए हैं ऐसी आत्माओं को शांति प्रदान करने तथा उनके परिवारों को संबल व शक्ति प्रदान करने के लिये हम सभी ईश्वर से प्रार्थना करेगें। सामूहिक रूप से सड़क दुर्घटना में गई तथा उनके परिवार की शांति के लिये प्रार्थना की गई। बहन वीणा भावनानी ने एक गीत की प्रस्तुति दी, भ्राता ए.पी.पाण्डेय ने धन्यवाद ज्ञापन तथा भ्राता शेखरराम ने मंच का संचालन किया।

मानवता की सेवा में,
ब्रह्माकुमारी रूकमणी